BA Part III (H)

Paper V

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ college Raj Nagar

Lecture I

गोत्र (clan) ⇒ भारतीय सामाजिक संगठन में गोत्र एक महत्वपूर्ण आधार है। गोत्र कई वंशों का समूह होता है जो पिता या माता किसी भी एक पक्ष के समस्त रक्त सम्बन्धियों से मिलकर बनता है। ये रक्तसम्बन्ध वास्तविक या काल्पनिक हो सकते हैं। गोत्र का उद्भव परिवार के किसी प्रमुख व्यक्ति से होता है। यह व्यक्ति वास्तव में प्रतिष्ठित और प्रमुख होने के फलस्वरूप उन्हें उस परिवार का संस्थापक मान लिया जाता है तथा इसी कारण उन्हीं के नाम से परिवार के सब वंशजों का परिचय दिया जाता है और सब मिलकर एक गोत्र कहलाते हैं। यह सदैव एकपक्षीय होता है अर्थात माता पिता के समूह के वंशों से गोत्र का उद्भव नहीं होता

2020-8-11 08:16

पक्ष माता अथवा पिता में से कोई एक के वंशो के समूह से गोत्र का प्रादुर्भाव होता है।

गोत्र का अर्थ = गोत्र अंग्रेजी शब्द clan का हिन्दी रूपान्तरण है। अंग्रेजी के clan शब्द की उत्पत्ति गौलिक भाषा के clan शब्द से हुई है जिसका अर्थ होता है संतान या वंशज। इस रूप में गोत्र को वंशो का समूह कहा जाता है, जो माता/पिता किसी एक पक्ष के समान रक्त सम्बन्धियों से मिलकर बनता है। भारतीय हिन्दू सामाजिक संगठन में पाये जाने वाले गोत्र भिन्न प्रकार के होते है जैसे कश्यप गोत्र, शाण्डिल्य गोत्र आदि। परन्तु जनजातीय समाज में गोत्र पूर्वज हमेशा मानव ही हो यह आवश्यक नहीं है, ये पूर्वज एक काल्पनिक मानव या अन्य (पशु, पेड़ पौधे) हो सकते है। अतः स्पष्ट है कि गोत्र एकपक्षीय परिवारों का ऐसा संकलन है जिसके सदस्य अपने को एक वास्तविक या काल्पनिक सामान्य पूर्वज के वंशज मानते है।

2020-8-11 08:16